दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 77 मुरादाबाद, 06 July 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

G20 विज्ञान मंत्रियों की बैठक: भारत बोला- सामूहिक विशेषज्ञता का इस्तेमाल करें, वैश्विक चुनौतियों का समाधान हो

भारत ने बुधवार को जी-20 के विज्ञान मंत्रियों की बैठक में देशों से मतभेदों से ऊपर उठने का आह्वान किया और अपनी सामूहिक विशेषज्ञता का इस्तेमाल करते हुए जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और पानी की कमी जैसी मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने को कहा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत आज के समय की जटिल चुनौतियों से निपटने में वैश्विक सहयोग और ज्ञान साझा करने के महत्व को समझता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस बारे में बात की है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत बेहतर कल के लिए वैश्विक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने जी-20 देशों से आह्वान किया कि वे नवाचार की संस्कृति व सतत विकास को बढ़ावा देने और सभी के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अपने सामूहिक ज्ञान, विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जी-20 देशों को %मतभेदों से ऊपर उठना% चाहिए और एक परिवार की भावना के साथ दुनिया के सामने मौजूद वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना चाहिए। सिंह ने कहा कि इस समूह में प्रमुख वैश्विक चुनौतियों से निपटने की क्षमता है जैसा कि उसने हाल ही में कोविड-19 महामारी का मुकाबला करते हुए किया था। मंत्री ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत बेहतर कल के लिए वैश्विक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में वैज्ञानिक और शोधकर्ता अंतरिक्ष अन्वेषण से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), जैव प्रौद्योगिकी से लेकर नैनो टेक्नोलॉजी जैसे कई विषयों में अत्याधुनिक खोजों और प्रगति में सबसे आगे रहे हैं और उन्होंने वैज्ञानिक समझ की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और नवाचार को बढ़ावा दिया है जो पूरी मानवता को लाभान्वित करता है। सिंह ने कहा कि जब दुनिया जलवायु परिवर्तन और घटते प्राकृतिक संसाधनों की चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में अक्षय ऊर्जा स्रोतों का कुशलता पूर्वक दोहन करना अनिवार्य हो जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जी-20 के सदस्यों को अपने शून्य लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और सतत विकास व नवीकरणीय ऊर्जा पर काम करना जारी रखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री संतोष जताया कि दुनिया ने हाल के वर्षों में सौर और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों में पर्याप्त वृद्धि देखी है। मंत्री ने कहा, %हमारे वैज्ञानिक ऐसी सामग्रियों की खोज और निर्माण के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं जो ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति ला सकते हैं, इसे स्वच्छ, अधिक किफायती और सभी के लिए सुलभ बना सकते हैं। ` कहा कि वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक अनुसंधान और जैव प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इन प्रयासों में स्वास्थ्य देखभाल परिणामों में सुधार और आनुवंशिक विकारों को दूर करने की अपार क्षमता है।

लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने सपाइयों को लखनऊ बुलाएंगे अखिलेश, संगठन को मजबूत करने पर फोकस

यूपी की 80 सीटों के लि?ए समाजवादी पार्टी ने भी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारि?यां शुरु कर दी हैं। सपा प्रमुख अखि?लेश ने चुनाव की रणनीति? तय करने के साथ ही संगठन के ढांचे को मजबूत करने के लि?ए लखनऊ में बैठक बुलाई है। पार्टी का फोकस संगठन ढांचे को मजबूत करने की कवायद के साथ पार्टी ने बूथ स्तर तक पदाधिकारियों की नियुक्ति का अभियान चला रखा है। लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखकर सपा भी अपनी तैयारियों को धार देने में जुट गई है। संगठन का ढांचा मजबूत करने के साथ ही सपा नेतृत्व अब कार्यकर्ताओं की मन की बात भी सुनना चाहता है। पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कानपुट टीम के कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ में बड़ी मीटिंग करने की मंशा जताई है।महानगर अध्यक्ष फजल महमूद को उन्होंने लखनऊ बुलाया है। लोकसभा चुनाव के लिए कानपुर सीट का प्रत्याशी तय करने से पहले सपा में विचार मंथन व कार्यकर्ताओं की राय का दौर चलने वाला है। संगठन ढांचे को मजबूत करने की कवायद में पार्टी ने बूथ स्तर तक पदाधिकारियों की नियुक्ति का अभियान चला रखा है। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को लोस चुनाव तैयारी का भी संदेश दिया जा रहा है। शहर की तीन विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कराने और दो सीटों पर मजबूत प्रदर्शन के बाद अब सपा नेतृत्व कानपुर लोस सीट को महत्वपूर्ण और जिताऊ मानकर चल रहा है। महापौर चुनाव से भी सपा के पक्ष में माहौल बना है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व इस बार कई महीने पहले ही लोस प्रत्याशी की घोषणा करने के मूड में है। सपा नेतृत्व से मिले संकेतों के अनुसार इस बार प्रत्याशी चयन से पहले बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की राय ली जाएगी। प्रदेश कार्यालय से महानगर अध्यक्ष फजल महमूद को बताया गया है कि उन्हें इसी सप्ताह में राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात का बुलावा मिलने वाला है। वह अपनी तैयारी के साथ लखनऊ आएं। उनसे मुलाकात के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की इच्छा कानपुर के महानगर व ग्रामीण संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ में एक मीटिंग करने की है। इस पूरी कवायद का मकसद यह पता लगाना है कि लोस चुनाव के लिए सपा का कौन सा नेता अच्छा प्रत्याशी बन सकता है। फजल महमूद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से लोस चुनाव की तैयारी और रणनीति पर दिशा निर्देश मिलने के बाद ही अगले कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

UCC के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की मुहिम, लोगों से अपील- दर्ज कराएं इसका विरोध

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बुधवार को एक पत्र जारी कर लोगों से अपील की है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएं। चिट्ठी के जरिए एक बार कोड जारी किया गया है जिसको स्कैन करके अपनी राय सीधे भारत के विधि आयोग तक पहुंचाई जा सकती है।ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बुधवार को एक पत्र जारी कर लोगों से अपील की है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएं। चिट्ठी के जरिए एक बार कोड भी दिया गया है, जिसको स्कैन करके अपनी राय सीधे भारत के विधि आयोग तक पहुंचा जा सकते हैं। चिट्ठी के माध्यम से यह अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा लोग समान नागरिक संहिता के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएं।ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मोहम्मद फजलुरेहीम मुजद्दीदी के नाम से जारी पत्र में कहा गया कि हमारे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने का माहौल बनाया जा रहा है, इसके जरिए अलग-अलग धर्मों और संस्कृतियों की स्वतंत्रता पर चोट पहुंचायी जा रही है। चिट्ठी के अनुसार, भारत के विधि आयोग ने देश के शहरों से समान नागरिक संहिता के बारे में राय मांगी है, हमें इस सम्बंध में बड़े पैमाने पर उत्तर देना चाहिए और समान नागरिक संहिता का विरोध करना चाहिए। चिट्ठी में एक बार कोड भी लगाया है। लोगों से अपील की गई है कि इस पर क्लिक करें और जीमेल खुलने पर उत्तर सामग्री आपके समक्ष आ जायेगी, आप वहां अपने नाम और सेंड के बटन पर क्लिक कर दे। आपका जवाब विधि आयोग तक सीधे पहुंच जाएगा।

अजित पवार ने ठोका एनसीपी पर अपना दावा, चुनाव चिह्न के लिए किया EC से संपर्क

शरद पवार और अजित पवार गुट के एनसीपी विधायकों और सांसदों की मुंबई में बैठक हुई। दोनों गुटों ने अपना शक्ति प्रदर्शन किया। अजित पवार ने कहा कि मैं आज जो भी हूं पवार साहेब की वजह से ही हूं। मैं पार्टी का एक छोटा सा कार्यकर्ता था। वहीं, सुप्रिया सुले ने कहा मेरे पिता मुझसे ज्यादा आपके हैं। शरद पवार ने कहा कि अजित पवार को अगर कोई दिक्कत थी तो मुझसे बात करनी चाहिए थी। अगर उनके मन में कुछ था तो मुझसे संपर्क करना चाहिए था। अजित पवार और शरद पवार गुट की मुंबई में बैठक हुई। अजित पवार की बैठक में एनसीपी के 35 विधायकों और पांच एमएलसी के शामिल होने का दावा किया गया। वहीं, शरद पवार गुट की बैठक में 13 विधायक शामिल हुए। इसके अलावा बैठक में तीन एमएलसी और पांच सांसद भी मौजूद रहे। बैठक में जो विधायक शामिल हुए वो अनिल देशमुख, रोहित पवार, राजेंद्र शिंगणे, अशोक पवार, किरण लाहामाटे, प्राजक्त तानपुरे, बालासाहेब पाटिल, जितेंद्र आव्हाड, चेतन विट्ठल, जयंत पाटिल, राजेश टोपे, संदीप और देवेंद्र भूयर थे।मुंबई में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि बीजेपी ने एनसीपी को भ्रष्ट कहा था, लेकिन अब आपने एनसीपी के साथ गठबंधन क्यों किया। उद्धव ठाकरे के साथ जो हुआ वह दोहराया गया है। आज पूरा देश हमें देख रहा है। एनसीपी के लिए यह बैठक ऐतिहासिक है। हमें अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ते रहना है।मुंबई के ञ्ब्श्च् बांद्रा में बैठक के बाद अजित पवार गुट के एनसीपी नेताओं को बस से एक होटल ले जाया जा रहा है।अजित पवार ने एनसीपी पर अपना दावा ठोका है।

अजित पार ने एनसीपी के चुनाव चिह्न पर भी अपना दावा किया है। चुनाव आयोग को इस संबंध में अजित पवार की एक चिट्ठी मिली है।पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि जब हम शिवसेना की विचारधारा को स्वीकार कर सकते हैं, तो बीजेपी के साथ जाने में क्या आपत्ति है? हम एक स्वतंत्र इकाई के रूप में इस गठबंधन में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैं शरद पवार के साथ पटना में संयुक्त विपक्ष की बैठक में गया था। जब मैंने वहां का दृश्य देखा तो मुझे हंसने का मन हुआ। वहां 17 विपक्षी दल थे। उनमें से 7 दलों के पास लोकसभा में सिर्फ एक सांसद है। एक पार्टी ऐसी थी, जिसका लोकसभा में एक भी सांसद नहीं है। उनका दावा है कि वे बदलाव लाएंगे।

उद्धव गुट ने महाराष्ट्र सरकार पर कसा तंज, कहा- अब बस नीरव मोदी-विजय माल्या का भाजपा में जाना बाकी

शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अब बस मेहुल चोकसी, नीरव मोदी और विजय माल्या को ही भाजपा में शामिल करना बाकी रह गया है।महाराष्ट्र में इन दिनों अजित पवार के शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद से राजनीति गरमाई हुई है। एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) ने कई बार इसको लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। इस कड़ी में शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अब बस मेहुल चोकसी, नीरव मोदी और विजय माल्या को ही भाजपा में शामिल करना बाकी रह गया है।उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मुखपत्र सामना के नए संपादकीय में भाजपा और महाराष्ट्र सरकार पर भ्रष्टाचार और लूट में शामिल होने का आरोप लगाया। सामना में उद्धव शिवसेना ने कहा कि महाराष्ट्र में एक फिल्म चल रही है एक पूरा और दो आधा। इसका मतलब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार से है। बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार उपमुख्यमंत्री के रूप में महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो गए हैं। आठ अन्य राकांपा नेताओं को भी मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। अजित पवार समेत एनसीपी के नौ में से चार नेता मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिनकी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। अजित पवार के अलावा, छगन भुजबल और हसन मुश्रीफ सहित आठ अन्य एनसीपी विधायकों ने एकनाथ शिंदे कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली। सामना के संपादकीय में दावा किया गया कि एनसीपी के इस बड़े घटनाक्रम के पीछे दिल्ली की सुपरपॉवर का हाथ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए भ्रष्टाचार, नैतिकता और लूट कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा ने महाराष्ट्र में जो किया है, उसके लिए उसका मजाक उड़ाया जा रहा है। सामना में चुटकी लेते हुए कहा गया है कि भाजपा में मेहुल चोकसी, नीरव मोदी और विजय माल्या को शामिल करना बाकी है। एक को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाएगा, दूसरे को नीति आयोग में नियुक्त किया जाएगा और तीसरे को भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर नियुक्त किया जाएगा। संपादकीय में कहा गया है कि 2014 के विधानसभा चुनाव से पहले, फडणवीस ने दावा किया था कि अजित पवार कथित सिंचाई घोटाले में जेल जाएंगे, लेकिन राकांपा नेता ने (रविवार को) उनकी उपस्थिति में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज सीएम शिंदे के लिए यह दुखद स्थिति है।

संपादकीय Editorial

Tejashwi accused in the scam

When Lalu Yadav was the Railway Minister in the UPA-1 government at the Centre, his economic erudition was surprising. He was invited as an expert in renowned universities abroad. Professors and students of economics centers were eager to know Lalu Yadav's formula as to why Indian Railways remains profitable. What are its bases and equations? Lalu was not an economist in any way, nor is he today, but it was revealed in front of the country and the world that the then railway minister used to give jobs to poor people, but in return he gave some piece of land to his wife, son-daughter, brother-in-law. And used to get the name of the family-owned company written or accepted as a gift. It is alleged that instead of giving a 'D' category job in the Railways, the Lalu family bought more than one lakh square feet of land for just Rs 26 lakh. The then market value of the land was Rs 4.39 crore. This fact is in the charge sheet of the CBI. The 'land for job' scam has stuck with the Lalu clan. The CBI has filed another fresh charge sheet in the court in this case. Lalu Yadav, some middlemen, firms and sons and daughters have been made accused, but this time Bihar's Deputy Chief Minister Tejashwi Yadav is also accused. He is the younger son of Lalu-Rabri. Both Lalu and Rabri are former chief ministers of Bihar.

The role of his daughters is also suspicious, so raids were conducted at their residential places and they were also interrogated. When the court proceedings begin on the charge sheet, then everyone's names and profits will become clear. Lalu Yadav, who considered himself to be the 'Messiah of Social Justice', misused the ministerial post and collected their plots from the poor. This is not a fictitious charge sheet, but the CBI has done a thorough investigation, collected evidence, recorded the cries of the poor, as a result of which two charge sheets have been filed. Right now apart from CBI, Enforcement Directorate is also probing this scam. Significantly, the name of Deputy Chief Minister Tejashwi Yadav is also in the charge sheet. Will Chief Minister Nitish Kumar want to work in the government with an 'accused aide'? His record has been that he instructs the accused leader to prove himself clean and till then he stays away from the cabinet or any responsible and constitutional post, but in the context of Tejashwi, what options do Nitish have? Right now this fire-test has to be done whether he gives permission for prosecution against Tejashwi or not! Will recommend to the Governor or not! According to the law, Tejashwi can also be sent to jail. Since he is holding a constitutional post, the investigating agency and the court need the permission of the appropriate authority to take action. However, this time a court and criminal case has to be filed against Lalu's family. So far, Lalu Yadav has been sentenced many times in the 'fodder scam' and he has been in jail for a long time.

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

Maharashtra politics: Ajit Pawar episode and two 'valid' formulas of Indian politics!

The word corruption in Indian society is now like a political football, which is being kicked by everyone for their own convenience and purpose. Sometimes it turns into a self-goal as well. The strange rule of this game is that as long as this ball of corruption is in the other's court, it is 'corruption' and when it is in its 'D', it takes the form of courtesy. What will be the end of the part three episode played for power in Maharashtra, which is considered to be the richest state of the country? It will be interesting to watch as this political serial is still running. Political rebellion of nephew against uncle is not a new thing in this country. But if anything is new, it is that economic and moral corruption is no longer an issue in this country and also that spitting and licking has become a common culture in Indian politics. Taking a U-turn anytime for the sake of power has now become an unwritten traffic rule on the political highway and no one is an exception except a few. The latest political developments in Maharashtra is a great example of this. Tomorrow the same can be repeated in Bihar. If anyone is being fooled in this game, then it is the public, who have probably been left with no other option other than innocent helplessness. The word corruption in Indian society is now like a political football, which is being kicked by everyone for their own convenience and purpose. Sometimes it turns into a self-goal as well. The strange rule of this game is that as long as this ball of corruption is in the other's court, it is 'corruption' and when it is in its 'D', it takes the form of courtesy. Even its color and political effect changes. What did Sharad Pawar say?- Note that NCP president (at least as of now) Sharad Pawar is unhappy with the decision of nephew Ajit Pawar, who grew up on the political nutrition of Kaka Sharad Pawar for years, to go to power with the BJP-Shiv Sena Mahayuti. Said that my people on whom the BJP accused of serious corruption for years, have now become 'blame free' as soon as they joined the BJP. What he meant to say was that the BJP is now a 'political Ganges', in which one's sins are automatically washed away as soon as one takes a bath. According to this, Ajit Pawar & Co., which is behind the ED, has adopted the banner of honesty as soon as it follows the footsteps of the BJP. This is the same company, against which BJP leader and former Chief Minister Devendra Fadnavis used to make open allegations of corruption. But now all these alleged corrupt people have heaved a sigh of relief as soon as they come under BJP's 'security circle'. Those who were ours till yesterday, today they are corrupt-an interesting thing is that Sharad Pawar who is now indirectly calling 'Ajit & Co' as 'corrupt', till yesterday he considered all of them as part of his family. That is, the corruption going on under his umbrella was not corruption, it was 'performance'. (Some people still believe that this is all a mixed game of uncle and nephew) As soon as the political umbrella changed, it again turned into corruption. This means that if you do your own corruption, it cannot be corruption at all. This word and sense is only for 'nonsense'. However, Kaka Sharad Pawar himself has also faced allegations of misconduct when he was Union Agriculture Minister. But no one ever got him investigated because, under the veil of opposition, Sharad Pawar has been maintaining the courtesy of personal relationships. Also, he never had any ideological urge in politics other than power. Accordingly, Ajit Pawar is taking forward the same 'Sharadwad', so what is wrong with it? Today, Sharad Pawar may be doing the politics of the opposition according to his political calculations, but there are political rainmakers in every party, including Prime Minister Narendra Modi, who has been calling him 'Shirardao'. His party BJP was waiting for the 'Kaksparsh' of NCP for a long time to donate the political body of the opponents. What is 'resort politics'? By the way, Congress is also the creator of the narrative of 'resort politics' to topple the elected government in this country, which first instigated a rebellion in 1995 under the leadership of BJP leader Shankersinh Vaghela to topple the elected government of BJP's Keshubhai Patel and MP Rebel MLAs were stopped in Khajuraho hotel. However, later Vaghela's government formed with the support of Congress also fell and with that Congress went into the role of permanent opposition in Gujarat.- Now in the era of Modi-Shah, BJP has left Congress far behind in this game and 'Goddess of wealth' was also added to the important factors of this game. This also established the formula that the importance of corruption and difference between words and actions in politics is zero. It can be interpreted according to its convenience and it can also be justified. Its channel can be tuned anytime from the remote of the dogs. Today's biggest political party BJP has done successful experiments of this political conversion in many states by keeping political morality in check. That is, first break the MLAs, either get it recognized as a separate group or resign from the assembly and make them win on your election symbol or make them sit in the safari of power on the lines of 'Aaja Meri Gaadi Mein Baith Ja'. This achieves two goals, firstly, the opposing side gets divided, secondly, the power ambition of both the coming together and coming together is reimbursed. BJP's experiment- This experiment of BJP has got the approval of voters to a large extent.Another third way is to first put the opponents under the scanner for corruption and malpractice allegations and investigations and then send them yellow rice. In Maharashtra, the story of the Shinde faction that broke away from the Shiv Sena and the Ajit Pawar faction that broke away from the NCP is similar. In fact, this prescription of 'treatment' of political opponents is proving to be conditional, because almost everyone is naked in the bath of corruption, or rather, a new kind of 'fraternity' has been established among the corrupt, whose only condition is ' To be in your camp. The second mountain of political morality of the twenty-first century in the country is to be spit and licked. Hardly anyone survives this. The 'demand of time' is the 'API' (active pharmaceutical ingredient, which is the raw material of all medicines) of this political panacea. If we take the example of Maharashtra, Devendra Fadnavis, who used to praise Ajit Dada's administrative ability as Chief Minister, used to say that 'Ajit Pawar's real place is in jail'. An inquiry was also set up against Ajit Pawar in the irrigation scam. On the other hand, till yesterday, Ajit Pawar, who took a fake oath like 'I will remain in the Nationalist Congress Party till my last breath', is now looking at his political future with the BJP. Nephew Ajit, who considered Kaka Sharad Pawar as his ideal till yesterday, does not see any leader better than Narendra Modi in the country. This formula of moral overturning is applicable to many parties like JDU, RJD, Congress, CPM, Shiv Sena etc. For whom political rivalry is nothing more than just an exciting video game. By the way, Ajit Pawar has another record in his name. He has happily become the Deputy Chief Minister of the state for the fifth time and that too in the indomitable hope of becoming the CM. It is like giving birth to daughters in the hope of a son. It is difficult to say whether his becoming deputy CM this time is a good omen or a bad omen. Some people also believe that Ajit Dada is cursed to remain the Deputy Chief Minister. Even if you do not fully trust this, it is a fact that the political fleet of whichever CM Ajit Dada has become the Deputy Chief Minister has definitely gone down. Be it former Chief Minister Prithviraj Chavan or Uddhav Thackeray or Devendra Fadnavis (with whom he was deputy CM for a few days). Now he has become DCM for the fifth time under the Chief Ministership of Eknath Shinde. In that too, he loves the Finance Ministry the most. In such a situation, the question is being raised on the political future of Shinde. However, with the help of 'Eknath' and 'Ajit', the political possibilities that Devendra and his party are understanding, it is such a political dream of a huge victory in the next year's Lok Sabha elections, it has been named Mahayuti. Time will tell how much Kamdhenu this Mahayuti based on power and selfishness will prove, because even driving this desi auto of Mahayuti is not easy. On the other hand, on the slope of Kakaji's age, this is the last political fire test, that is, on this side or on the other side...!

Revolt of Ajit Pawar from Patna to Bengaluru, a setback for Congress along with Mahavikas Aghadi

After the split in the NCP, not only Sharad Pawar has become politically weak but also the Mahavikas Aghadi. Ajit Pawar's rebellion is not only a blow to the Mahavikas Aghadi but also to the Congress. The split in the front of the opposition parties in Maharashtra, the country's second most important state in terms of Lok Sabha seats, is going to jolt the campaign to unite the anti-BJP parties. Informing that the next meeting of opposition parties will be held in Bengaluru on July 17-18, Congress General Secretary KC Venugopal may be saying that whatever happened in Maharashtra will not affect this meeting, but it is not possible that Remain unaffected by the split in opposition party Sharad Pawar's Nationalist Congress Party. Sharad Pawar was not only working to give direction to the Mahavikas Aghadi, but he was also trying to unite the opposition parties at the national level on the lines of Maharashtra. He was one of the leaders on whom the Congress, along with other parties, was counting on to strengthen opposition unity. Not only Sharad Pawar has become politically weak after the split in the NCP, but also the Mahavikas Aghadi. In fact, the rebellion of Sharad Pawar's nephew Ajit Pawar is not only a blow to the Mahavikas Aghadi, but also to the Congress. The split in the front of the opposition parties in Maharashtra, the country's second most important state in terms of Lok Sabha seats, is going to jolt the campaign to unite the anti-BJP parties. The split in the NCP may have increased the bargaining power of the Congress with other opposition parties and may have been able to undermine their initiative that it should contest a minimum number of seats, but such parties are less likely to count. There are only those who are in a position to give something to him. Nitish Kumar, the biggest advocate of opposition unity, is not in a position to give much to the Congress in Bihar because the Rashtriya Janata Dal is the largest party there. The truth is that Nitish Kumar himself is dependent on him. Among other leaders involved in the campaign for opposition unity, Mamata Banerjee is not keen on the Congress trying to establish its roots in Bengal. He has even put a condition that talks can be done with the Congress only if it keeps distance from the Left parties. This would probably be acceptable neither to the Congress nor to the Left parties. There is also a problem that the leaders of the ruling Left parties in Kerala are not inclined to reconcile with the Congress, because they are competing with it there. Other opposition leaders who attended the Patna meeting were also not ready to give importance to the Congress in their respective states. This is not the only problem of Congress. It has failed to generate any discussion that attracts the opposition parties as well as the people of the country. Many opposition parties do not seem to agree with the stubborn attitude he adopted on the Uniform Civil Code.

जिलाधिकारी ने जरूरतमंदों की पढ़ाई के लिए दान की 600 पुस्तकें

अधिकारियों व समाज के हर वर्ग से सहयोग की अपील

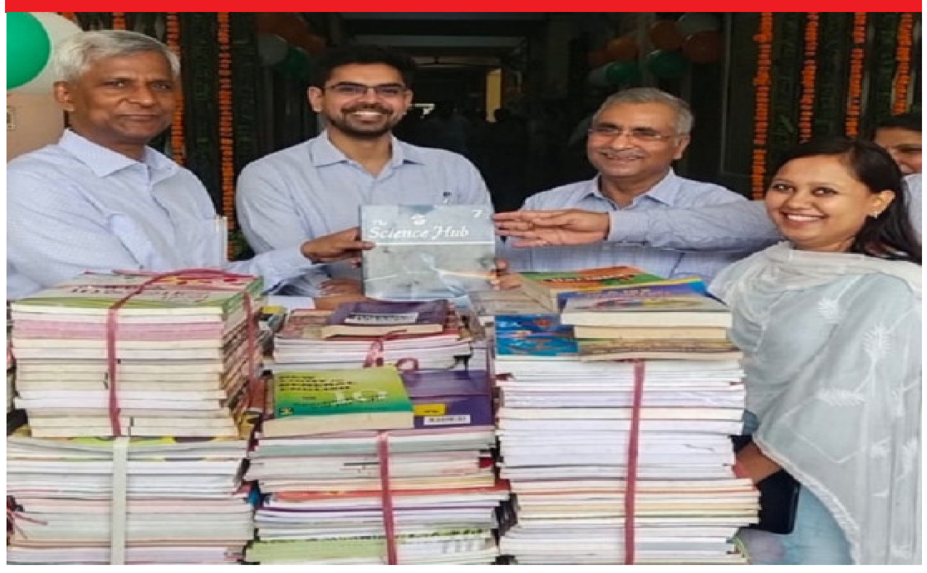

मुरादाबाद- जरूरतमंदों को पढ़ने के लिए चल रहे पुस्तक दान अभियान में बुधवार को जिलाधिकारी ने हाथ बढ़ाया। उन्होंने समाज के हर वर्ग के लोगों से अभियान में सहभागिता की अपील की। जिलाधिकारी ने विकास भवन में 600 पुस्तकें जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ अरुण कुमार दुबे को दान स्वरूप दीं। उन्होंने दान में मिली किताबों को कक्षावार एवं विषय वार अलग-अलग कर लेने के लिए कहा। मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव ने पुस्तकों को पुस्तकालयों में सुरक्षित रखने और विद्यालयों तथा जन सामान्य के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने पर जोर दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि आवश्यकतानुसार सभी छात्र छात्राएं पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त कर अपनी पढ़ाई को सुगम बना सकते हैं। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हर्षिका, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला अर्थ एवम संख्या अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी अनुपमा शांडिल्य मौजूद रहीं। जिला कार्यक्रम अधिकारी आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में आर्य कन्या इंटर कॉलेज मुरादाबाद की अंग्रेजी विषय की सेवानिवृत्त प्रवक्ता रश्मि शर्मा की ओर से उनके पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक शर्मा ने अपने आवास पर जरूरतमंद विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए 300 पुस्तकें जिला जिला विद्यालय निरीक्षक को दान की।

ब्लैक स्पॉट सुधार तो दूर, जगह भी नहीं देखते जिम्मेदार

मुरादाबाद- सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों में उदासीनता के प्रमाण मिल रहे हैं। जबकि, 31 मई को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने ब्लैक स्पॉट के जिम्मेदार अधिकारियों को मौका-मुआयना व फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए था। सुधार कार्य कराने को भी कहा था। जिसके लिए पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता ने योजना तैयार की। रिपोर्ट के मुताबिक, पुराना टोल प्लाजा चंदौसी कट पर संकेतक, कैट आइज एवं डायवर्जन बोर्ड लगाने के निर्देश एनएचएआई को थे। डीएम ने एनएचएआई व निरीक्षक यातायात (टीआई) से फोटोग्राफ संग मौके के निरीक्षण की संयुक्त रिपोर्ट मांगी थी। टीआई पवन त्यागी ने 19 जून को रिपोर्ट जिला सड़क सुरक्षा समिति के नोडल अधिकारी/अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी भेजी थी। टीआई ने लिखा है कि संयुक्त निरीक्षण के लिए उन्होंने एनएचएआई के अधिकारी को फोन किया लेकिन, वह मौके पर नहीं आए। हमने मौके पर देखा कि एनएचएआई की तरफ से ब्लैक स्पॉट पर कोई भी सुधार नहीं है। बोर्ड लगाने के निर्देश थे, वह बहुत छोटे एवं रोड के किनारे के बजाय बीच में लगे हैं। टीआई ने निरीक्षण के फोटोग्राफ भी दिए हैं।

ब्लैक स्पॉट पर निरीक्षक यातायात की यह है रिपोर्ट

कोहिनूर तिराहा - निरीक्षण रिपोर्ट में टीआई ने लिखा है कि इस ब्लैक स्पॉट पर भी कोई नया सुधार कार्य नहीं कराया गया है। संयुक्त निरीक्षण के लिए उन्होंने संबंधित से वार्ता की तो बताया गया कि कोहिनूर तिराहा के सुधारीकरण के लिए मुख्य अभियंता को 30 नवंबर 2021 को एस्टीमेट भेजकर 4.75 करोड़ 69 हजार रुपये की मांग भेजी जा चुकी है। जटपुरा - इस ब्लैक स्पॉट पर अल्पकालीन सुधार वाले कार्यों की जरूरत है। वैसे रिपिटेड बार, ऐज लाइन, दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र का साइन बोर्ड लगाया गया है। दीर्घकालीन सुधार वाले कार्यों में जैसे रंबल स्ट्रिप, कोशनरी बोर्ड, गिव-वे एवं हैजार्ड बोर्ड के कार्य अधूरे हैं। डींगरपुर - इस ब्लैक स्पॉट के संबंध में टीआई ने रिपोर्ट दी है कि स्पीड टेबल, रंबल स्ट्रिप, कोशनरी व हैजार्ड बोर्ड और गिव-वे बोर्ड के कार्य अधूरे हैं।

'हमसे मिलो, जहां मर्जी हो बताओ ड्यूटी लगवा देंगे', रंगीन मिजाज दरोगा लाइन हाजिर

मुरादाबाद- महिला कांस्टेबल से रंगीन मिजाजी करने वाले एसएसआई (वरिष्ठ उप निरीक्षक) जितेंद्र कुमार सिंह को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर कर दिया है। महिला कांस्टेबल की शिकायत थी कि एसएसआई उनसे व्हाट्सऐप पर कॉल करते थे। चेटिंग कर मिलने को कहते थे। लालच देते थे कि हमसे मिलो और फिर जहां मर्जी हो बताओ ड्यूटी लगवा देंगे। अपने सीनियर (एसएसआई) की रंगीन मिजाजी से परेशान महिला कांस्टेबल के गुमनाम पत्र को एसएसपी तक पहुंचा दिया। जिसे एसएसपी हेमराज मीना ने गंभीरता से लिया और प्रारंभिक कार्रवाई में एसएसआई जितेंद्र कुमार सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह एसएसआई महिला कांस्टेबल को उनके मोबाइल पर व्हाट्सऐप कॉल कर रात में परेशान करता था। उधर, एसएसपी ने प्रकरण की जांच क्षेत्राधिकारी कटघर शैलजा मिश्रा को सौंपी है। बताया जा रहा है कि एसएसपी को भेजे गए इस गुमनाम पत्र में एसएसआई और एक महिला कांस्टेबल के बीच हुई बातचीत का स्क्रीनशॉट भी शामिल है। पत्र में दावा किया गया है कि एसएसआई जितेंद्र महिला कांस्टेबल को अपने कार्यालय में जब किसी काम के बहाने बुलाता था तो ऑफिस का दरवाजा बंद कर लेता था।

महिला कांस्टेबल के पास हैं पर्याप्त सुबूत

महिला कांस्टेबल नाम न छापने की शर्त पर बताती हैं कि एसएसआई जितेंद्र कुमार सिंह उन लोगों को पर कॉल रिसीव करने का भी दबाव बनाता था। कॉल रिसीव न करने पर अपने ऑफिस में बुलाकर नाराजगी भी जाहिर करता था। उन्होंने बताया कि यदि इस मामले में निष्पक्षता से जांच की जाती है तो वह खुलकर बोलेंगी और एसएसआई की रंगीन मिजाजी के वह सारे सुबूत भी देंगी, जो उसकी पुलिस सेवा से बर्खास्तगी तक के लिए पर्याप्त होंगे। उन्होंने बताया कि वह रात में वीडियो कॉल भी करता था। कई महिला कांस्टेबल जितेंद्र कुमार को सीनियर मानकर वीडियो कॉल रिसीव भी करती थीं। वह महिला कांस्टेबल की कमजोरी की तलाश में रहता था। मन चाहे थाने या जिले में पोस्टिंग करा देने तक का दावा वह महिला कांस्टेबल से करता था। फिलहाल, महिला कांस्टेबल के ये आरोप कितने असरदार हैं, इस बारे में अभी कहना जल्दबाजी रहेगी।

मुरादाबाद में वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा चंद कदम दूर, प्रशिक्षण को भेजे गए लोको पायलट

मुरादाबाद- गोरखपुर-लखनऊ रूट पर वंदे भारत के ऐलान ने मुरादाबाद में चर्चाओं को हवा देना शुरू कर दिया है। मंडल मुख्यालय से इस ट्रेन के गुजरने की गोपनीय कवायद पर लोगों की नजर है। पड़ोस के इज्जतनगर मंडल ने वंदे भारत ट्रेन के संचालन के लिए रामनगर-मथुरा-जयपुर, रामनगर-अयोध्या, काठगोदाम-प्रयागराज रूट लगभग निर्धारित कर दिया है। जबकि मुरादाबाद ने सहारनपुर- मुरादाबाद- बरेली- लखनऊ- प्रतापगढ़ के अलावा सहारनपुर-प्रयागराज रूट के पन्ने पलटने शुरू कर दिए हैं। उधर, मंडल प्रबंधक अजय नंदन इन बातों को चर्चाओं के खाते में जोड़ते हैं। सूत्रों की मानें तो मंडल में शारदीय नवरात्र के समय वंदे भारत का स्पीड ट्रायल हो सकता है। बरेली जंक्शन से दो वंदे भारत ट्रेनें गुजर सकती हैं। एक का संचालन मुरादाबाद और दूसरे का इज्जतनगर कर सकता है। सूत्रों का दावा तो यहां तक है कि वंदे भारत के स्पीड ट्रायल के लिए लोको पायलट समेत कर्मचारियों को गाजियाबाद में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें मुरादाबाद, रोजा और बरेली लॉबी के लोको पायलट शामिल हैं। इज्जतनगर मंडल ने इस ट्रेन के संचालन के लिए रामनगर- मथुरा- जयपुर, रामनगर- अयोध्या, काठगोदाम- प्रयागराज रूट लगभग निर्धारित कर दिया है। मुरादाबाद ने सहारनपुर-मुरादाबाद-बरेली-लखनऊ-प्रतापगढ़ के अलावा सहारनपुर-प्रयागराज रूट तय किए हैं। रेल बोर्ड की ओर से दोनों मंडल से रूटों के बारे में सूचनाएं मांगी गई हैं। जबकि मंडल ने छह लोको पायलटों को स्पीड ट्रायल के लिए प्रशिक्षण पर भेज दिया है। इज्जतनगर और मुरादाबाद दोनों ही मंडलों से वंदे भारत का संचालन होना है। उच्च पदस्त विभागीय सूत्रों ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की है। हालांकि, स्पीड ट्रायल की तिथि को लेकर कोई भी अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। मंडल एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात के संकेत दिए कि लखनऊ, प्रयागराज दिशाओं में वंदे भारत का संचालन होना है। ट्रायल के लिए लोको पायलट समेत कर्मचारियों का प्रशिक्षण चल रहा है। मंगलवार रात बातचीत में इन मुद्दों की पुष्टि को लेकर वरिष्ठ अधिकारी फिलहाल बचते नजर आए।

मुरादाबाद-लखनऊ रूट का स्तरोन्नयन जारी

मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट को नई जरूरत के लिए तैयार करने का काम अप्रैल में शुरू हो गया था। 328 किलोमीटर लंबे रूट पर दो लूप लाइन का निर्माण काम पूरा हो चुका है। रोजा के पास ऐगवां में लूप लाइन बिछ रही है। पांच से 15 किलोमीटर तक के 42 कॉशन में से ज्यादातर हटाए जा जा चुके हैं। रोजा, बंथरा, रसुइया, कैंट, दलपतपुर, कटघर, मिलक के कॉशन खत्म कर दिया है। इस माह के आखिर तक अन्य कॉशन को खत्म करने के लक्ष्य पर रेलवे काम कर रहा है। मुरादाबाद मंडल मुख्यालय और दिल्ली से नजदीक का केंद्र है। हर दिशा में यहां से ट्रेनों का संचालन है। दिल्ली-कोलकाता रूट में यह प्रमुख स्टेशन है। गोरखपुर से लखनऊ के बीच वंदे भारत के चलाए जाने की पुष्टि हो चुकी है। जिस आधार पर मुरादाबाद में इस सेवा की पूरी संभावना और जरूरत है। लेकिन, यह कवायद अभी विभाग की लिखा-पढ़ी में नहीं आ पाई है। हरिद्वार रूट से दिल्ली के बीच इस ट्रेन को चलाए जाने की चर्चा है। हम विभागीय पत्राचार के आधार पर ही इसकी पुष्टि कर पाएंगे। -अजय नंदन, मंडल रेल प्रबंधक

स्मार्ट सिटी- खर्च हो गए 1.57 करोड़, शहर के लोगों को लाभ धेले का नहीं

मुरादाबाद- तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम गुलाबी है, मगर यह आंकड़े झूठे हैं यह दावा किताबी है। कवि अदम गोंडवी की गांव में विकास के दावों पर लिखी गई यह पक्ति जिगर मुरादाबादी के स्मार्ट शहर पर सटीक बैठती है। इसका उद्दाहरण स्मार्ट सिटी योजना के तहत शहर के 20 स्थानों पर शहर के नागरिकों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 स्थानों पर स्थापित किए गए ई-क्योस्क हैं। 1.57 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस ई-क्योस्क सेवा का तीन सितंबर 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन किया था। जिसके साथ ही इसकी स्थापना करने वाली कंपनी को इसका भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन शहर के किसी भी नागरिक को इसकी सेवा का धेला भर भी लाभ नहीं हुआ। वजह यह है कि उद्घाटन के नौ माह बाद भी शहर के इन सभी ई-क्योस्क पर बदइंतजामी का ताला लगा है।

अंजान को रास्ता बताने के किए गए थे दावे, खुद गुमनाम

शहर में इसकी स्थापना के समय स्मार्ट सिटी के अफसरों ने दावा किया था कि बाहर से मुरादाबाद आने वालों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी नहीं होगी। ई-क्योस्क की स्क्रीन पर स्थान का नाम डालने पर उसकी सही जानकारी मिल जाएगी। विभिन्न विभागों की जानकारी, उसका लेखा-जोखा मिल जाएगा। लोगों को इसके लिए संबंधित विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन भी इसके माध्यम से लोग कर सकेंगे। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के टैक्स आदि की जानकारी के साथ उसे जमा भी कर सकेंगे। ई-क्योस्क बूथ से बैंक लोन के साथ ही जाति, आय, निवास सहित अन्य प्रमाणपत्रों के लिए आवेदन भी कर सकेंगे।

निरीक्षण में बंद मिलने पर पहले नाराजगी जता चुके नगर आयुक्त

करीब दो माह पहले नगर आयुक्त संजय चौहान ने भी शहर में स्मार्ट सिटी योजना के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण किया था। उस दौरान भी कुछ ई-क्योस्क के बंद मिले थे। कुछ पर कर्मचारी तैनात नहीं थे। इस पर उन्होंने नाराजगी भी जताई थी। लेकिन कुछ समय गुजरने के बाद स्थिति फिर वही हो गई है। शहर के 20 स्थानों पर ई-क्योस्क स्थापित किए गए हैं। इसका उद्घाटन हो चुका है। इसका भुगतान भी संबंधित कंपनी को हो चुका है। इसके संचालन में अभी कुछ तकनीकी दिक्कत आ रही है। जिस कंपनी ने इसे लगाया है उसी के पास इसके संचालन का कार्य है। इस संबंध में सात जुलाई को कंपनी से जुड़े प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई है। जल्द ही इन सभी ई-क्योस्कों को चालू करा दिया जाएगा।- अतुल कुमार, डिप्टी सीईओ स्मार्ट सिटी/अपर नगर आयुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अधेड़ उम्र के प्यार पर बरपा हंगामा, थाने पहुंचा मामला

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ का एक 50 वर्षीय व्यक्ति शटरिंग का काम करता है। इस व्यक्ति के परिवार और इगलास क्षेत्र के दूसरे समुदाय के परिवार से अच्छे संबंध हैं। आरोप है कि इस परिवार की महिला से अधेड़ का प्रेम प्रसंग चल रहा है। अधेड़ के पत्नी और दो बच्चे हैं, वहीं महिला का पति व बच्चे हैं। प्रेम-प्रसंग का विरोध होने पर अधेड़ अपना घर छोड़कर महिला के पड़ोस में जाकर रहने लगा। अधेड़ उम्र व्यक्ति के दूसरे समुदाय की महिला से प्रेम-प्रसंग पर हंगामा हो गया। इस महिला, उसके पति व बच्चों के साथ रिश्तेदारी से लौट रहे अधेड़ को उसके परिजनों ने रास्ते में रोक लिया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले आई। इस बीच, परिजनों व अन्य लोगों ने अधेड़ का धर्मांतरण कराने का आरोप लगा दिया। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया। बताते हैं कि अलीगढ़ का एक 50 वर्षीय व्यक्ति शटरिंग का काम करता है। इस व्यक्ति के परिवार और इगलास क्षेत्र के दूसरे समुदाय के परिवार से अच्छे संबंध हैं। आरोप है कि इस परिवार की महिला से अधेड़ का प्रेम प्रसंग चल रहा है। अधेड़ के पत्नी और दो बच्चे हैं, वहीं महिला का पति व बच्चे हैं। प्रेम-प्रसंग का विरोध होने पर अधेड़ अपना घर छोड़कर महिला के पड़ोस में जाकर रहने लगा। वह महिला, उसके पति और बच्चों के साथ उनकी रिश्तेदारी में गंगीरी गया था। लौटते समय जलाली क्षेत्र के औसाफली गांव के निकट इन सभी लोगों को अधेड़ की पत्नी, साले और परिजनों ने रोक लिया। कहासुनी के बाद बीच सड़क पर मारपीट शुरू हो गई। पुलिस भी पहुंच गई। परिजनों ने बताया कि महिला अधेड़ को प्रेम जाल में फंसा कर उसके पैसे उड़ा रही है। धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए पुलिस को डॉक्टर के कुछ पर्चे दिखाए, जिस पर अधेड़ ने अपना उपनाम खां दर्ज करा रखा था। पूछताछ के बाद थाना पुलिस दोनों पक्षों और उनके वाहनों को थाने ले आई। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया। सीओ अतरौली डॉ. कृष्ण गोपाल का कहना है कि ये धर्मांतरण का मामला नहीं है। अधेड़ अपने परिवार को छोड़कर दूसरे समुदाय की महिला के पड़ोस में रहने लगा था। परिजनों को प्रेम-प्रसंग का शक था। इसी बात पर विवाद हुआ है। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया है

भोले बाबा की ढ़ोल-नगाड़ो के साथ महाआरती कर 56 प्रकार के भोग अमरनाथ यात्रियों को भंडारे के रुप में किए वितरित

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -लुधियाना- बाबा अमरनाथ लंगर कमेटी लुधियाना की तरफ से देश भर से बाबा अमरनाथ के दर्शनो के लिए जाने व दर्शन कर लौटने वाले भक्तों के लिए स्थानीय ताजपुर चौंक के समीप दादा मोटर के सामने चल रहे 15वें विशाल भंडारे के दौरान शिव भक्तों ने ढ़ोल-नगाड़ो के साथ महाआरती कर भोले बाबा को 56 भोग अर्पित कर भंडारे के रुप में वितरित किए । अमरनाथ यात्रियों ने शिवभक्तों की तरफ से तैयार अमृतमय भंडारा ग्रहण कर खुद को धन्य किया। महिला संकीर्तन मंडल की तरफ से भजन संध्या के दौरान प्रस्तुत भजनो पर अमरनाथ यात्रियों ने भोले बाबा के नाम की मस्ती में झूमते हुए

अपने बाबा बर्फानी का आर्शीवाद लिया । भंडारे की जानकारी देते हुए बाबा अमरनाथ लंगर कमेटी के प्रमुख सेवादार विपन वैद्य व राज बग्गा ने बताया कि 31 जुलाई तक 24 घंटे निर्विघ्न भंडारा जारी रहेगा। वहीं 24 घंटे लंगर के साथ-साथ मैडीकल सुविधा व भक्तों के विश्राम की व्यवस्था के निशुल्क प्रबंध कमेटी की तरफ किए गए है ।इस अवसर पर सर्वजीत रूबी, कृष्ण गोपाल राजू, संजीव बेदी, कुलदीप वर्मा, बाल कृष्ण तिवारी, नीरज बांसल,पवन राणा,धमेन्द्र सिंह शंटी,अनिल वधन,अरूण सेखड़ी,शीला वर्मा, सिमरन, पूजा वैद्य, लता बगगा, प्रिंयका वर्मा, वंदना, रजनी, निशा, मुनि, गौरव राजपूत, धनी वैद्य, राजन, राघव, दीपू शर्मा, कर्ण दत, संजय पांडे, राकेश सौंधी, गीतांश बल्लदी, साहिल बल्लदी, राम देव, सोहन लाल पप्पू, जतिन्द्र धीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

गोलगप्पे न खिलाने पर नाराज होकर घर से निकली थी महिला, ट्रेन में हुई प्रसव पीड़ा, फिर हुआ

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ -एक व्यक्ति दिल्ली में नौकरी करता है। 20 वर्षीय पत्नी गर्भवती है। पत्नी ने पति से गोलगप्पे खिलाने की फरमाइश कर दी। पति ने मना कर दिया तो पत्नी नाराज होकर घर से निकल आयी और .... दिल्ली से आजमगढ़ जा रही कैफियात एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर जा रही एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर रात अलीगढ़ स्टेशन पर उतारा गया। जहां से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला पति से गोलगप्पे न खिलाने को हुए झगड़े के बाद अपने मायके में जा रही थी। घटनाक्रम के अनुसार मूल रूप से जिला आजमगढ़ के थाना मुबारकपुर निवासी एक व्यक्ति दिल्ली में नौकरी करते हैं। 20 वर्षीय पत्नी गर्भवती है। पत्नी ने पति से गोलगप्पे खिलाने की फरमाइश कर दी। पति ने मना कर दिया तो पत्नी नाराज होकर घर से निकल आयी और दिल्ली रेलवे स्टेशन से आजमगढ़ जाने वाली कैफियात एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हो गई। वह ट्रेन के कोच संख्या बी-04 में सीट नम्बर 32 पर यात्रा कर रही थी। तभी गाजियाबाद स्टेशन पार करते ही उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। महिला को परेशान देख कोच में सवार यात्रियों ने रेलवे स्टाफ को इसकी जानकारी दी। इसके बाद ट्रेन के अलीगढ़ स्टेशन पर पहुंचने पर रेलवे डॉक्टर एवं आरपीएफ, जीआरपी स्टाफ ने चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम की मदद से ट्रेन से नीचे उतारा गया। जहां से उसे एंबुलेंस की मदद से मोहन लाल गौतम जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद महिला के पति को फोन पर सूचना दी गई। जिसके बाद पति अलीगढ़ पहुंच गया। आरपीएफ के पोस्ट कमांडर राजीव वर्मा ने बताया कि महिला को डिलेवरी के लिए अस्पताल में भर्ती रखा गया है।

लाखों नकली नोटों सहित गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार छपाई कर कमीशन पर बेचते थे

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद जिले की पुलिस ने लाखों नकली नोटों सहित गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है गेट कादरी गेट थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने चौकी इंचार्ज स्वदेश कुमार आदि पुलिसकर्मियों के सहयोग से लाखों नकली व असली रुपयों सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया पुलिस ने थाना कादरी गेट लाल गेट बस स्टेशन के सामने रहने वाले सौरभ सुमंत पुत्र गयाप्रसाद मोहल्ला अडियाना निवासी ज्ञाना निवासी सुनील पुत्र महेश ग्राम खानपुर निवासी मुकेश शाक्य पुत्र राजेंद्र सिंह थाना मऊदरवाजा के ग्राम हैबतपुर गढ़िया निवासी सौरभ यादव पुत्र रनवीर सिंह एवं सूरज उर्फ सूर्या उर्फ प्रदीप यादव पुत्र भगवान सिंह को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन में मीडिया के सामने पेश किया पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने मीडिया को बताया कि थाना कादरी गेट पुलिस ने एसओजी टीम के सहयोग से सौरभ सुमंत एवं सौरव यादव को मसेनी तिराहे के निकट हुंडई कार में नकली नोटों सहित गिरफ्तार किया जिनकी निशादेही पर सौरभ, मुकेश शाक्य एवं सुनील को गिरफ्तार किया गया सुनील थाना राजेपुर के ग्राम चाचूपुर का मूल निवासी है एसपी श्री कुमार ने बताया की सौरभ सुमन व सूर्या तथा उनका अन्य साथी नोटों की छपाई का कार्य करता है जबकि सौरभ यादव मुकेश शाक्य व सुनील नकली नोटों को 35-40 परसेंट कमीज बेचने का काम करते हैं इनके इनके कब्जे से नकली 1.27 लाख रुपए एवं नकली नोटों की कमाई से एकत्र किए गए 3100 से रुपए 11 पेज छपे नकली नोट प्रिंटर आदि सामग्री बरामद की गई है पुलिस अधीक्षक श्री कुमार ने बताया कि लोगों ने नकली नोटों की बिक्री कर भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी चोट पहुंचाई है नोट बनाने वाले फरार साथी का नाम गोपनीय रखा गया है ताकि पकड़ने में आसानी रहे वार्ता के दौरान सीओ सिटी प्रदीप सिंह मौजूद रहे। एसपी ने गुड वर्क करने वाली पुलिस टीम को बधाई दी है

शासन के आदेश पर सरकारी स्कूलों में हुई ,शिक्षक -अभिभावक बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश के आदेश के अनुसार विकासखंड बिथरी चैनपुर के 176 विद्यालयों में बुधवार को अभिभावक, शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया । जिसका अनुश्रवण खंड शिक्षा अधिकारी एवं कार्यरत समस्त ए0आर0पी0 एवं ब्लॉक स्तरीय टीमों द्वारा किया गया। जिन विद्यालयों में अभिभावकों की संख्या कम पाई गई, उन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों निर्देशित किया गया । आगामी 15 जुलाई, तक शत- प्रतिशत अभिभावकों की बैठक कर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिथरी में अवगत कराना सुनिश्चित करें। जिससे निपुण लक्ष्यों एवं शिक्षक-अभिभावक बैठक के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके ।बैठक में डीबीटी ,पुस्तक वितरण ,छात्र उपस्थिति,कायाकल्प, पठन पाठन पर विशेष चर्चा की गई। वहीं खण्ड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने परेवा कुइयां में पहुंचकर बैठक में अभिभावकों से सीधे सम्वाद किया।

कलियुग में हनुमान जी का नाम लेने मात्र से हो जाते है सारे कार्य - गोल्डी सभरवाल

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - सिद्धपीठ महाबली संकटमोचन हनुमान मंदिर जोशी नगर में करवाई गई साप्ताहिक चोंकी में भाजपा नेता व समाज सेवक गोल्डी सभरवाल को स्मृति चिन्ह देकर व चुनरी डालकर मन्दिर कमेटी के प्रधान अमन जैन,अनुज मदान, सौरव जैन द्वारा सन्मानित किया गया। गोल्डी सभरवाल ने कहा कि हनुमान जी कलयुग के भगवान है,हनुमान जी का नाम लेने मात्र से ही सभी कार्य सम्पन्न हो जाते है। अमन जैन व अनुज मदान ने कहा कि इस मंदिर में जो भी शख्स 7 मंगलवार लगातार हाज़री लगाता है,उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है ।उन्होंने कहा कि गोल्डी सभरवाल बाला जी महाराज के परम भक्त है,व हमेशा समाज सेवा के कार्यो व धार्मिक कार्यो के लिए तैयार रहते है । इस अवसर पर रोहित डंग, विजय मनचंदा,गौतम चायल,बिन्नी सभरवाल व सौरव साहिल को भी सन्मानित किया गया।

रक्तदान शिविर के माध्यम से कई अनमोल मानव जीवन बचाए जा सकते हैं - जत्थेदार निमाना

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -लुधियाना- मीरी पीरी के मालिक श्री गुरु हरगोबिंद साहिब के प्रकाश पर्व को समर्पित गुरुद्वारा नानकसर क्लेरां के सभी गणमान्य लोगों के मार्गदर्शन में भाई घनैईया जी मिशन सेवा सोसाइटी (रजि०) द्वारा मुख्य सेवादार जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाना की देखरेख में 646वां महारक्तदान शिविर आयोजित किया गया । इस अवसर पर भाई घनैईया जी मिशन सेवा सोसायटी के मुख्य सेवक जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा ने कहा कि आज का महारक्तदान शिविर मानवता की भलाई के लिए जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने के लिए बहुत ही लाभदायक है। रक्तदान शिविर के माध्यम से कई अनमोल मानव जीवन को बचाया जा सकता है। इस अवसर पर, दीपक भगत और सचिन देव एचडीएफसी बैंक ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और प्रीत हॉस्पिटल और सत्यम हॉस्पिटल ब्लड बैंक टीम के गर्मजोशी भरे सहयोग से रक्तदान शिविर के दौरान 55 रक्त यूनिट एकत्र किया गया

भाजपा के जिला कार्यकारिणी के सदस्य बुद्ध सिंह ठाकुर ने सुनील जाखड़ को पंजाब प्रधान नियुक्त करने पर हाईकमान का किया धन्यवाद

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यकारिणी सदस्य बुद्ध सिंह ठाकुर ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रधानमंत्री मोदी गृह मंत्री अमित शाह का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया है जिन्होंने पंजाब भारतीय जनता पार्टी ने सुनील जाखड़ को पंजाब प्रधान नियुक्त कर पंजाब प्रदेश का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर बुध सिंह ठाकुर ने प्रेस को बताया कि सुनील जाखड़ एक ईमानदार नेता है और इनके पिता बलराम जाखड़ कांग्रेस पार्टी में कृषि मंत्री भी रहे हैं और डिप्टी स्पीकर भी रह चुके हैं। सुनील जाखड़ की पहचान सबसे अलग है वह सभी धर्मों को साथ लेकर चलने में सामर्थ हैं ।सुनील जाखड़ के पंजाब प्रधान की नियुक्ती से पंजाब में बीजेपी की सरकार को अब कोई नहीं रोक सकता है।

कांग्रेस को झटका देते हुए पूर्व कांग्रेस पार्षद पिंकी बंसल, ब्लॉक अध्यक्ष मिट्ठू बंसल, जिला अध्यक्ष और विधायकों के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए.

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- सर्किट हाउस लुधियाना में विधायक अशोक पराशर पप्पी, चेयरमैन जिला वित्त एवं योजना समिति/जिला अध्यक्ष लुधियाना शरण पाल सिंह मक्कड़, विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा व अन्य ने हलका सेंट्रल के वार्ड नंबर 53 में पूर्व कांग्रेस पार्षद पिंकी बंसल और उनके पति कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मिट्ठू बंसल ने कांग्रेस को झटका देते हुए वह अपनी पूरी कांग्रेस टीम के साथ आम आदमी पार्टी परिवार में शामिल किया । पिछले डेढ़ साल के आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन और नीतियों से खुश होकर बंसल परिवार आम आदमी पार्टी परिवार में शामिल हुआ। कांग्रेस पार्टी में दो बार पार्षद बनने के बाद काफी समय से कांग्रेस में खुद को प्रताड़ित महसूस कर रही मैडम पिंकी बंसल ने ऐसा कदम उठाया है उनके अलावा कांग्रेस उपाध्यक्ष समेत कई अन्य कांग्रेस समर्थक भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए । इस मौके पर हल्का सेंट्रल काउंसलर राकेश पाराशर और हल्का सेंट्रल के वालंटियर्स भी मौजूद रहे। चेयरमैन/जिलाध्यक्ष शरण पाल सिंह मक्कड़, विधायक अशोक पाराशर पप्पी, और विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने इन सभी का पार्टी में शामिल होने पर स्वागत किया

सीटी यूनिवर्सिटी ने छात्र एकता और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हॉस्टल प्रीमियर लीग सीजन 5 की मेजबानी की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- सीटी यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण विभाग ने बेहद सफल हॉस्टल प्रीमियर लीग सीजन 5 का आयोजन किया, जो रोमांचक खेलों और गतिविधियों से भरा पांच दिवसीय उत्सव था। इस कार्यक्रम में भारत के 35 से अधिक राज्यों के साथ-साथ अफ्रीका, नेपाल और बांग्लादेश के 400 से अधिक छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। राहिल रॉय (परियोजना अधिकारी) और समर्पित छात्र समन्वयकों के सक्रिय समन्वय के तहत, हॉस्टल प्रीमियर लीग सीज़न 5 ने विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को एक साथ लाया, जिससे एकता और सौहार्द की मजबूत भावना को बढ़ावा मिला।

इस कार्यक्रम में वॉलीबॉल, स्किपिंग रोप, गली क्रिकेट, कैरम, बैलून गेम, कबड्डी, थ्री-लेग्ड रेस, शतरंज और कई अन्य खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया, जो छात्रों को अपने खेल कौशल और टीम भावना को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस लीग में नॉर्थ रीजन चैंपियन बनकर उभरा और इस साल की ट्रॉफी अपने नाम की। छात्र कल्याण विभाग के उप निदेशक दविंदर सिंह ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हॉस्टल प्रीमियर लीग सीज़न 5 के दौरान छात्रों के उत्साह और भावना को देखना वास्तव में एक उत्साहजनक अनुभव था। इस कार्यक्रम ने न केवल विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को एक साथ लाया बल्कि एकता और सौहार्द की भावना को भी बढ़ावा दिया। सभी प्रतिभागियों को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए बधाई और इस आयोजन को सफल बनाने में शामिल पूरी टीम को बधाई।卐 वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह ने कार्यक्रम की समावेशी प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा, हॉस्टल प्रीमियर लीग सीजन 5 ने सीटी यूनिवर्सिटी में जीवंत और समावेशी समुदाय को प्रदर्शित किया। भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अफ्रीका, नेपाल और बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखकर खुशी हुई।

सावन मेला एवं कजरी तीज मेले मैं चप्पे-चप्पे पर पुलिस रहेगी मुस्तैद

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- जिलाधिकारी कृतिका शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने विकासखण्ड सिरसिया के अन्तर्गत बाबा विभूतिनाथ मन्दिर एवं पूरे परिसर तथा जलाभिषेक के लिए जल लेने वाले कुण्ड का भ्रमण कर जायजा लिया तथा सावन मेला के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाओं को हमेशा चुस्त - दुरुस्त रखने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया उन्होंने कहा मन्दिर परिसर में तैनात अधिकारी/पुलिस के अधिकारी मेला कमेटी के पदाधिकारियों से सामंजस्य बनाकर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाय, ताकि सावन मेले में जलाभिषेक एवं दर्शन -पूजन के लिए आये श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न होने पाए। जिलाधिकारी ने विभूतिनाथ मन्दिर सहित जिले के अन्य प्रमुख शिवालयों पर भी सावन मेला एवं अगामी कजरी तीज के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्थाएं व साफ सफाई को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिससे मेले में आने वाले मेलार्थियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो। इसलिए सम्बन्धित विभागीय अधिकारी सभी व्यवस्थाएं पहले से ही चुस्त-दुरूस्त कर लें, ताकि मेले को सौहार्दपूर्ण वातावरण में शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराया जा सके। इसके अलावा दर्शनार्थियों के आवागमन में कोई दिक्कत न होने पावे, इसके लिये बैरियर की व्यवस्था के साथ-साथ शिवालय स्थल के पहले ही पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।जिलाधिकारी ने शिवालय पर स्थित दुकानदारों से अपेक्षा की है कि मेले में पालीथीन का प्रयोग न करें, इसके लिये मेला में व्यवस्था कार्य देख रहे मन्दिर परिवार के सदस्यगण दुकानदारों को जागरूक करके प्रेरित करें कि वे जो भी समान की बिक्री करेगें, वह झोले में अथवा कागज के लिफाफे में ही सामग्री देगें, क्योंकि पालीथीन के प्रयोग से पर्यावरण पर तमाम प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ते हैं। इसी के मद्देनजर सरकार ने भी पालीथीन बेचने और उसके प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाया है। उन्होने कहा कि मेले में आने वाले श्रृद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वास्थ्य कैम्प, सफाई व्यवस्था, बैरकेटिंग, शौंचालय/वैकल्पिक शौंचालय/मोबाइल टायलेट एवं प्रकाश की व्यवस्था पहले से ही सुव्यवस्थित कर ली जाए, ताकि बेहतर ढंग से मेले को सम्पन्न कराया जा सके। उन्होने कहा कि मेले को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है।

पत्नी के न आने से गुस्साए व्यापारी ने फांसी लगाकर दे दी जान मचा कोहराम

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -मोहम्मदाबाद मे पत्नी के मायके से न आने से गुस्साए व्यापारी शैलेंद्र पाल ने फांसी लगाकर जान दे दी शैलेंद्र कोतवाली मोहम्मदाबाद के मोहल्ला इंद्रा नगर निवासी स्वर्गीय जगदीश पाल का 27 वर्षीय पुत्र था शैलेंद्र की जनपद कन्नौज के थाना थाना सौरिख के कस्बा खडिनी बाजार में साड़ी की दुकान हैं शैलेंद्र बीती रात घर आया। रात्रि लगभग 10 बजे शैलेंद्र की मां कपूरकली घर के बाहर बैठी थी तभी शैलेंद्र ने गेट बंद कर लिया तथा अंदर वाले कमरे की छत के कुंडे में दुप्पटे के सहारे फांसी लगा ली कपूर कली के द्वारा खटखटाने पर जब गेट नही खुला तो उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया। गेट से झांक कर देखने पर शैलेंद्र का शब लटकता दिखाई पड़ा तो इसकी सूचना थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने सीढ़ी मंगाकर छत पर गई तथा जाल से मकान के अंदर घुसकर गेट खोला रात 1.30 बजे फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य एकत्र किए उसके बाद शव को उतरवाया गया शैलेंद्र दो भाई थे बड़ा भाई सत्येंद्र कानपुर में साड़ी की दुकान किए हैं शैलेंद्र की शादी इसी थाना क्षेत्र के गांव बिड़ैल हुई थी उसके बेटी आराध्या 4 वर्ष तथा पुत्र आर्यांश 3 वर्ष का है पत्नी संगम अपने मायके में थी मां कपूरकली ने बताया कि शैलेंद्र 2 दिन पूर्व पत्नी को बुलाने ससुराल गया था लेकिन वो नही आई पत्नी से अनबन है दरोगा रामवीर सिंह सेंगर ने पंचनामा भरकर शब पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

ग्राम सभा भंगही में प्राइमरी पाठशाला के बच्चों के जीवन से ग्राम प्रधान कर रहा खिलवाड़

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच

विकासखंड हरिहरपुर रानी ग्राम सभा भंगही में मौजूदा प्रधान लक्ष्मी शरण के द्वारा प्राइमरी पाठशाला इस जमीन पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की व्यवस्था करा कर गरीब जनता के बच्चों को बीमारी के मुंह में धकेल रहा है एक तरफ सूबे की सरकार टीकाकरण पर जोर दे रही है कि बच्चे स्वस्थ रहें और खाना भी व्यवस्था विद्यालय में करवाती है पुस्तक से लेकर ड्रेस तक सारी व्यवस्था सरकार मुहैया करवाती है लेकिन भगहीप्रधान सारी व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ा रहा है विद्यालय के बगल में कचरा घर बनवाकर जिसकी सूचना खण्ड विकास अधिकारी को दी गई लेकिन उन्होंने कोई अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी ग्रामीणों ने जब बात की तो मौजूदा प्रधान ने बताया कि विद्यालय की जमीन नहीं है नवीन पड़ती है जोकि कूड़ा घर जहां बना हुआ है वह जमीन विद्यालय के नाम अंकित है राजस्व अभिलेखों में दर्ज है ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय के बगल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की व्यवस्था ना कराकर नवीन प्रति में कराया जाए नहीं तो हमारे बच्चों के भविष्य के साथ में खिलवाड़ होगा तो जिले पर हम ग्रामीण इकट्ठा होकर इस प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे प्रधान लगातार ग्रामसभा में अपनी मनमानी करता चला रहा है जिसको हम लोग अब कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पंजाब सरकार द्वारा कच्चे अध्यापकों एवं अन्ना लाठीचार्ज मानवाधिकार उल्लंघन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- नवांशहर- आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के आवास के सामने शिक्षकों ने अपने अधिकारों की मांग की और सरकार द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष आसा सिंह आजाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष क्राइम विंग गुरदीप सिंह मदान, पार्षद चेत राम रतन पंजाब अध्यक्ष, एडवोकेट विशाल शर्मा पंजाब अध्यक्ष लीगल सेल, गुरमेल सिंह भारत राष्ट्रीय अध्यक्ष स्पोर्ट्स विंग, पवनदीप कौर मान राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग पत्रकारों से बातचीत कहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 8736 कच्चे अध्यापक अपने हक के लिए हड़ताल पर थे। सरकार के निर्देश पर प्रशासन की ओर से बिना किसी धक्का-मुक्की के लड़कियों के कपड़े फाड़ दिये गये.

मैदान में अध्यापकों के साथ बुरा व्यवहार किया जाता था। परिषद के नेताओं ने कहा कि मानवाधिकार का बड़ा उल्लंघन हुआ है. वे शिक्षक ही हैं जो हमारे समाज को उचित मार्गदर्शन देने में अहम भूमिका निभाते हैं.। आपकी पंजाब सरकार शिक्षकों के साथ बैठक करती है और मंच पर कहती है कि शिक्षकों को गुरु माना जाना चाहिए, दूसरी ओर उनके साथ जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षकों और पुरुष शिक्षकों की पगड़ियां उनके पैरों पर लुढ़क गईं। बड़ी संख्या में पुरुष और महिला शिक्षक भी घायल हो गए। हम अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद की पूरी टीम सरकारी उत्पीड़न की कड़ी निंदा करती है।

तहसील जमुनहा के प्रांगण में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उ0 प्र0 के जिला उपाध्यक्ष श्रावस्ती द्वारा किया गया बृक्षा रोपण

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- श्रमजीवी यूनियन के पत्रकार संघ यूनियन के जिला उपाध्यक्ष श्रावस्ती बाबूराम पाठक व अन्य पत्रकारों के साथ तहसील जमुनहा के प्रांगण में किया गया किया गया वृक्षारोपण इस मौके पर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन श्रावस्ती उत्तर प्रदेश के जिला उपाध्यक्ष बाबूराम पाठक, सुधीर सिंह, प्रेम चन्द जायसवाल रुद्रसेन वर्मा, उदय राज सिंह ,श्याता पाठक, रामकुमार वर्मा, विजय बहादुर सिंह, प्रदीप त्रिपाठी ,संदीप त्रिपाठी, नंद कुमार गुप्ता, भाजपा के नेता मंडल अध्यक्ष मंटू यादव । व पत्रकार साथियों ने जमुनहा तहसील में वृक्षारोपण किया गया

जिसमें फलदार वृक्ष एवं छायादार वृक्ष लगाए गए इस मौके पर उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष श्रावस्ती ने बताया कि प्रत्येक पत्रकार को व हर नागरिक को वृक्ष लगाना चाहिए । लगाने वृक्ष लगाने से तमाम प्रकार की सुविधाएं मिलती हैं इमारती लकड़ी, औषधि, शुद्ध वायु ,वर्षा करने में सहायक, मिट्टी कटान रोकने में सहायक होते हैं।, एक बृक्ष लगाने से 10 पुत्र के बराबर होते हैं वृक्ष से फल भी प्राप्त होते हैं जो सेहत के लिए लाभदायक है इसलिए प्रत्येक नागरिक व पत्रकारों को वृक्ष लगाएं व क्षेत्र की जनता को लगाने के लिए जागरूक करें सरकार द्वारा प्रत्येक वन विभाग के नर्सरी पर हर प्रजाति के पौधे निशुल्क दिए जा रहे हैं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि से भी पौधे प्राप्त कर सकते हैं

पीड़ित ने तहसीलदार जमुनहा को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग किया है

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- जमुनहा तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदत्त नगर गिरंट के मजरा बहेलियन पुरवा निवासी रामकुमार पुत्र वित्तन ने स्थित गाटा संख्या 28 ,16, रास्ता, 28,22 ,चक के पास स्थित चक मार्ग की पैमाइश कराए जाने के संबंध में तहसीलदार जमुनहा को प्रार्थना पत्र देकर पैमाइश कराने की मांग किया है ।इस संबंध में तहसीलदार जमुनहा अहमद फरीद खान से बात करने पर बताए गए कि प्रार्थना पत्र मिला है सरकारी जमीन रास्ता व चक मार्ग के पैमाइश हेतु राजस्व निरीक्षक व क्षेत्र लेखपाल को आदेशित किया गया है और पैमाइश करके आख्या रिपोर्ट भी मांगी गई है

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

ज्ञानवापी परिसर में उर्स और मजार पर चादर चढ़ाने की मांग पर अगली सुनवाई 11 अगस्त को

ज्ञानवापी परिसर में मजार पर चादरपोशी और उर्स की मांग की सुनवाई अब 11 अगस्त को होगी। बुधवार को मामले में पक्षकार राखी सिंह की तरफ से आपत्ति दाखिल करने के लिए समय की मांग के साथ ही स्थगन आवेदन दिया गया। ज्ञानवापी परिसर में मजार पर चादरपोशी और उर्स की मांग की सुनवाई अब 11 अगस्त को होगी। ये मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत में चल रहा है। बुधवार को मामले में पक्षकार राखी सिंह की तरफ से आपत्ति दाखिल करने के लिए समय की मांग के साथ ही स्थगन आवेदन दिया गया।ज्ञानवापी परिसर में मजार पर चादरपोशी और उर्स की मांग की सुनवाई अब 11 अगस्त को होगी। ये मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत में चल रहा है। बुधवार को मामले में पक्षकार राखी सिंह की तरफ से आपत्ति दाखिल करने के लिए समय की मांग के साथ ही स्थगन आवेदन दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी बोले- बच्चों को दिव्यांग बनाकर जबरन भिक्षावृत्ति कराने वालों पर कर रहे कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए बच्चों को %मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना% और स्माइल परियोजना के प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक किट वितरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति बच्चों के भविष्य के लिए खतरनाक है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राचीन काल में भिक्षाटन भारतीय परम्परा का हिस्सा थी। इसके माध्यम से एक संन्यस्त व्यक्ति अपने अहंकार को त्यागकर समाज के दर्शन को समझ पाता था। आज भिक्षावृत्ति बच्चों के भविष्य के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दिव्यांग बनाकर उनसे जबरन भिक्षावृत्ति करवाने वाले गिरोहों के खिलाफ हमारी सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। साथ ही भिक्षावृत्ति विमुक्त हुए बच्चों को सरकार प्लेटफार्म दे रही है। स्माइल परियोजना इसी लिए प्रारंभ हुई है।सीएम योगी ने भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) और स्माइल परियोजना के लाभार्थी बच्चों को अपने सरकारी आवास पर बुधवार को प्रमाण पत्र एवं शैक्षिक किट वितरित की। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति से विमुक्त हुए 102 बच्चों को यहां देखकर प्रसन्नता हो रही है। हमारी सरकार इन बच्चों को स्वयंसेवी संस्थाओं से जोड़कर इनके भविष्य को संवार रही है। गरीब से गरीब बच्चा पढ़ सके और अपने जीवन में कुछ अच्छा कर सके, इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद 2017 से सभी बच्चों को ड्रेस, बैग, पुस्तकें, स्वेटर, जूते और मोजे उपलब्ध करा रही है। आज प्रदेश के 1.91 करोड़ बच्चे इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं।सीएम योगी ने कहा कि जीवन में यदि सफल होना है तो हमें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कोई भी कार्यक्रम तभी सफल हो सकता है जब हम उसे पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाते हैं। पिक एंड चूज ना हो, किसी के साथ भेदभाव ना हो और अनावश्यक सिफारिशें न हों। मेरिट के आधार पर कार्य हों तो लखनऊ को हम भिक्षावृत्ति से मुक्त कर लेंगे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए विभागों को कार्य करना चाहिए। पटरियों पर सोने वालों को रैन बसेरों में ले जाएं। हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। एक अच्छा इंसान ही एक अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर और अच्छा अधिकारी बन सकता है। शासन के योजनाए लोगों तक पहुंचे इस बात का विशेष ध्यान रखें। सीएम योगी ने कहा कि रजिस्टर्ड श्रमिकों और अपने अभिभावकों को खो चुके बच्चों के लिए हमारी सरकार अटल आवासीय विद्यालय बना रही है। इस विद्यालय में सीबीएसई पैटर्न पर बच्चों को कक्षा एक से लेकर 12वीं तक शिक्षा मुफ्त में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति समस्या का समाधान नहीं है, समस्या का समाधान परिश्रम है। सही दिशा का चयन कर जो लोग अपनी घर गृहस्थी संभालने के साथ-साथ अपनी आजीविका को बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं वो सफल हो रहे हैं। प्रदेश में ही ऐसे बहुत उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे। ऐसा ही एक उदाहरण बीसी सखी योजना के अंतर्गत हम देख सकते हैं। सुल्तानपुर जनपद की एक बीसी सखी ने अपना टर्नओवर इतना बढ़ाया है कि वह हर महीने 1.20-1.30 लाख रुपए कमीशन कमा रही है।

सीएम योगी ने बच्चों और अभिभावक से किया संवाद

दस वर्ष चिनहट रामलीला मैदान में रहने वाली माही ने अपनी कहानी सुनाते हुए कहा कि पहले जब हम भिक्षा मांगते थे कि तो लोग हमें डांटकर भगा देते हैं। मुख्यमंत्री जी और उत्तर प्रदेश सरकार की वजह से हमें स्कूल में एडमिशन मिला और आज हम पढ़ पा रहे हैं। माही ने बताया की वह पढ़ लिखकर डॉक्टर बनना चाहती हैं। 12 वर्ष के इकबाल ने अपने परिवार की कहानी सुनाते हुए कहा कि अभाव की वजह से उसके पिता का ठीक से इलाज नहीं हो पाया था। इसलिए वह पढ़ लिखकर डॉक्टर बनना चाहते हैं। इकबाल ने संकल्प लेते हुए कहा कि अगर वह डॉक्टर बन गए तो हर बीमार व्यक्ति का एक रुपए में इलाज करेंगे। सरकार की योजनाओं के माध्यम से मिले लाभ पर इकबाल ने सीएम योगी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में शामली के बच्चों की एक अभिभावक काजल ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि अशिक्षा और कोई कौशल न होने कारण पहले वह भीख मांगती थी। उन्होंने कहा कि योगी जी की सरकार ने सहारा दिया तो आज वह सिलाई करने में कुशल हो गईं। आज उन्हें किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता है। अपनी मेहनत से अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। इसके लिए काजल ने सीएम योगी का आभार जताया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्या, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और महापौर सुषमा खरकवाल मौजूद रहीं।

साधारण घर की बेटी, शादी के बाद पति ने पहचानी प्रतिभा, फोर्थ क्लास की नौकरी कर बीवी को बनाया अफसर

बरेली की पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य अपने पति सफाईकर्मी आलोक मौर्य को छोड़ने को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों के गुस्से का शिकार हो रही हैं। मामले से जुड़ी अब तक की कहानी जो बाहर आई है वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। ज्योति मौर्य का मायका वाराणसी में है। वह बेहद साधारण परिवार से हैं, ज्योति के पिता वाराणसी में ही एक छोटी से दुकान चलाते हैं। ज्योति बचपन से ही पढ़ाई में होशियार थीं। हालांकि इसके बाद भी घरवालों ने 2010 में ज्योति की शादी ग्रेजुएशन करने के दौरान ही प्रयागराज के धूमनगंज में तैनात आलोक मौर्य से कर दी गई थी।ज्योति मौर्य का मायका वाराणसी में है। वह बेहद साधारण परिवार से हैं। घरवालों ने 2010 में ज्योति की शादी ग्रेजुएशन करने के दौरान ही प्रयागराज के धूमनगंज में तैनात आलोक मौर्य से कर दी गई थी। शादी के बाद ज्योति ने ग्रेजुएशन पूरा किया और यूपीपीसीएस की परीक्षा पास की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शादी के बाद जब ज्योति अपनी ससुराल पहुंची तो पति आलोक ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्होंने ही उनकी आगे की पढ़ाई पूरी करवाई। इस बीच आलोक को फोर्थ श्रेणी की नौकरी मिल गई। आलोक ने खुद बतौर सफाईकर्मी की नौकरी कर ज्योति को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पढ़ाई के साथ-साथ कामयाब बनाने के लिए आलोक ने प्रयागराज में ही ज्योति की यूपीपीसीएस की तैयार करवाई। पढ़ने-लिखने में तेज होने की वजह से ज्योति मौर्य ने वर्ष 2015 की पीसीएस परीक्षा में 16वीं रैंक हासिल की थी। इस सफलता का श्रेय तब उन्होंने अपने ससुर को दिया था। आजमगढ़ निवासी ज्योति पीसीएस बनने के बाद जौनपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़, प्रयागराज और लखनऊ में तैनात रह चुकी हैं। उनकी शादी 13 वर्ष पहले आलोक मौर्या से हुई थी, उनकी दो बेटियां भी हैं।

आलोक ने ज्योति और मनीष पर लगाए हैं हत्या की साजिश रचने के आरोप

ज्योति मौर्य व उनके होमगार्ड कमांडेंट प्रेमी मनीष दुबे पर प्रयागराज के धूमनगंज निवासी पति आलोक मौर्य ने हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पति ने इसकी शिकायत होमगार्ड मुख्यालय में दर्ज कराई है। डीजी होमगार्ड वीके मौर्य ने प्रयागराज के डिप्टी कमांडेंट जनरल संतोष कुमार को जांच सौंपी है। वहीं, धूमनगंज इंस्पेक्टर राजेश मौर्य ने बताया कि ज्योति ने पति समेत अन्य पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है।

2015 में ज्योति पीसीएस में चयनित

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, मनीष दुबे गाजियाबाद में होमगार्ड कमांडेंट के पद पर तैनात है। उसका एक महिला होमगार्ड के साथ अफेयर भी था। उस पर लखनऊ की एक युवती से विवाह करने का भी आरोप है। मूल रुप से आजमगढ़ निवासी पीड़ित पति प्रतापगढ़ में सफाईकर्मी है। आलोक की शादी 2010 में वाराणसी की ज्योति से हुई थी। 2015 में ज्योति पीसीएस में चयनित हो गई। कई जिलों में एसडीएम रहने के बाद वर्तमान में बरेली में तैनात है। 2015 में ही उसने जुड़वां बेटियों को भी जन्म दिया। आरोप है कि 2020 में वह होमगार्ड कमांडेंट मनीष के संपर्क में आई और पति से दूर होती चली गई। आपको बता दें कि बरेली में तैनात महिला पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य ने होमगार्ड मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पत्नी का गाजियाबाद के होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ अफेयर चल रहा है और दोनों उनकी हत्या कराने की साजिश रच रहे हैं। उनकी शिकायत पर डीजी होमगार्ड वीके मौर्या ने प्रयागराज के डिप्टी कमांडेंट जनरल संतोष कुमार को जांच सौंपी है।

मनीष का पहले भी कई महिलाओं से रहा था अफेयर

अधिकारियों के मुताबिक कमांडेंट मनीष कुमार का पहले भी कई महिलाओं के साथ अफेयर के प्रकरण सामने आ चुके हैं। पीसीएस ज्योति मौर्य के पति प्रयागराज के निवासी हैं और पंचायतीराज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। शादी के बाद ज्योति मौर्या का पीसीएस में चयन हुआ था। उनके पति ने अपनी शिकायत में कमांडेंट मनीष दुबे पर तमाम गंभीर आरोप लगाए हैं।

व्हाट्सएप चैट में साजिश रचने की बातचीत का दावा

सूत्रों के मुताबिक आलोक मौर्य ने अपनी शिकायत में कुछ व्हाट्सएप चैट का जिक्र भी किया है, जिसमें दोनों उनकी हत्या की साजिश रचने का जिक्र है।

उन्होंने दोनों के बीच तीन साल से अफेयर होने का दावा भी किया है। जब उन्होंने इसकी सूचना प्रयागराज पुलिस को देने का प्रयास किया तो उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। वहीं ज्योति मौर्य की शिकायत पर उनके खिलाफ दहेज का मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

पश्चिम बंगाल की युवती को दिल दे बैठा मर्चेंट नेवी कर्मी, फिर कर दी ऐसी गलती, पुलिस ने किया गिरफ्तार

एटा में पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम बुधवार को आई और दुष्कर्म के आरोपी मर्चेंट नेवी कर्मी को पकड़कर ले गई। आरोप है कि उसने तैनाती के दौरान शादी का झांसा देकर जिला हावड़ा की युवती के साथ दुष्कर्म किया था। टीम ने दबिश देकर स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ लिया पश्चिम बंगाल में तैनाती के दौरान मर्चेंट नेवी कर्मचारी का दिल वहां की युवती पर आ गया। बताया गया है कि आरोपी ने युवती का शारीरिक शोषण किया, लेकिन जब बात शादी की आई तो उसने कदम पीछे हटा लिए।

यहां का है मामला

थाना जैथरा क्षेत्र के गांव ललहट मूल निवासी नीतेश कुमार हाल निवासी शहर के मोहल्ला लालपुर को पश्चिमी बंगाल पुलिस पकड़कर ले गई है। जिला व महिला थाना हावड़ा की उप निरीक्षक प्रियंका मंडल ने बताया कि आरोपी की करीब एक वर्ष पूर्व हावड़ा में तैनाती थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती के संपर्क में आया। बाद में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। युवती को बताया कि वह अविवाहित है, जबकि आरोपी शादीशुदा है। युवती को जब पता चला तो उसने शादी करने के लिए कहा। इस पर आरोपी अपना स्थानांतरण कराकर भाग आया।

युवती ने दर्ज कराया था मुकदमा

उप निरीक्षक ने बताया कि करीब छह माह पहले महिला थाना हावड़ा में युवती ने मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद से ही गिरफ्तारी के प्रयास में लगे हुए थे। बुधवार को एटा आकर कोतवाली नगर पुलिस से संपर्क किया। स्थानीय पुलिस के सहयोग से आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली है। अदालत से रिमांड लेने के बाद पश्चिमी बंगाल लेकर जा रहे हैं। वहीं कोतवाली नगर प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस आई, उसका पूरा सहयोग किया गया। आरोपी पकड़ लिया गया है और पुलिस लेकर गई है।

सपा विधायक रमाकांत यादव की तीन मामलों में हुई पेशी, अब 14 और 16 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

बाहुबली विधायक रमाकांत यादव बुधवार को तीन अलग-अलग मामलों में आजमगढ़ न्यायालय में फतेहगढ़ जेल से वीडिया कांफ्रेंसिंग से पेश हुए। कोर्ट ने एक मामले में 14 तो दो अन्य मामलों में 16 जुलाई की तारीख तय की। बाहुबली विधायक रमाकांत यादव बुधवार को तीन अलग-अलग मामलों में आजमगढ़ न्यायालय में फतेहगढ़ जेल से वीडिया कांफ्रेंसिंग से पेश हुए। कोर्ट ने एक मामले में 14 तो दो अन्य मामलों में 16 जुलाई की तारीख तय की। पूर्व सांसद व बाहुबली सपा विधायक रमाकांत यादव के खिलाफ आजमगढ़ जिले में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से ज्यादातर मामले चुनाव से संबंधित है। ऐसे ही तीन मामलों में बुधवार को रमाकांत यादव की पेशी एमपी-एमएलए कोर्ट में न्यायाधीश अशोक कुमार के समक्ष वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई। इन मुकदमों में एक मामला पवई थाने में दर्ज चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का रहा। जिसमें अगली सुनवाई की तारीख 14 जुलाई तय की गई। वहीं फूलपुर और दीदारगंज थाने में भी रमाकांत यादव के खिलाफ थाना घेराव व चुनाव आचार संहिता से संबंधित मामला दर्ज है। इन दोनों मामलों में न्यायाधीश ने सुनवाई के लिए 16 जुलाई की तारीख तय की।

अराजकतत्वों ने आंबेडकर प्रतिमा तोड़ी, ग्रामीणों ने किया हंगामा, पुलिस ने स्थिति को बिगड़ने से संभाला

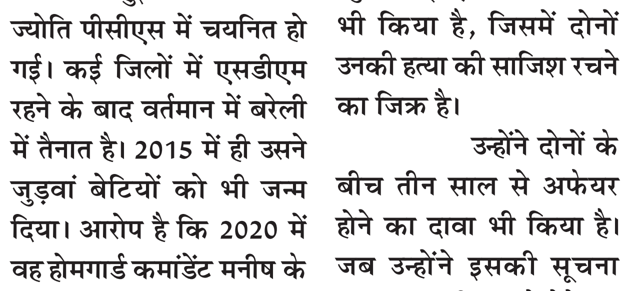

लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र के बरगदी कला गांव में अराजकतत्वों ने आंबेडकर प्रतिमा की उंगली तोड़ दी। मंगलवार सुबह इसकी जानकारी होने पर ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली। मामले में देर शाम तक किसी ने लिखित शिकायत नहीं दर्ज कराई थी। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब इलाके में अराजकतत्वों ने आंबेडकर प्रतिमा की उंगली तोड़ दी जिससे हंगामा हो गया। आशंका है कि अशांति फैलाने के इरादे से प्रतिमा भंजन किया गया था। बरगदी कला गांव में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित है।

गांव के सूरज के मुताबिक मंगलवार सुबह पार्क की तरफ गए तो देखा कि प्रतिमा के दाएं हाथ की उंगली टूटी है। इसकी जानकारी होने पर गांव के लोग जुट गए। गांव के दीपराज के मुताबिक मामला बिगड़ता देख इटौंजा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गांव पहुंची तो उसके सामने भी ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर की। पुलिस ने इन्हें शांत करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। आशंका है कि अराजकतत्वों ने अशांति फैलाने के लिए रात के अंधेरे में प्रतिमा में तोड़फोड़ की। प्रभारी निरीक्षक इटौंजा सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि जांच की जा रही है, तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

Kiwi batter ends Joe Root's reign in Test cricket, Steve Smith also bats

Kane Williamson Steve Smith ICC Test Rankings Star New Zealand batsman Kane Williamson has become the number one Test batsman in the world. Williamson has ended the reign of Joe Root. Root became the world's number one batsman after scoring a century in the first Test of the Ashes series. At the same time, Steve Smith has also received the award

for playing a century innings at Lord's. Williamson became the number one batsman - Kane Williamson has ended Joe Root's reign in Test cricket. Williamson has become the new number one batsman in the world in the longest format of cricket. Joe Root became the number one batsman in the world after scoring a century in the first Test match of the Ashes series. However, Root could not maintain his kingdom for long. In the second Test, Root's bat scored 10 runs in the first innings and only 18 runs in the second innings, due to which he has now slipped to number five. There has been a huge jump in the latest rankings. Smith has been rewarded for scoring a century at Lord's and has now become the number two batsman in the world. There is only one rating point gap between Smith and Williamson. In such a situation, when Smith will take the field in the third Test, his eyes will be on becoming the number one batsman. Williamson became the number one batsman for the sixth time – Kane Williamson has been crowned the number one batsman for the sixth time in Test cricket. Williamson became the world's number one batsman for the first time in the year 2015. The former Kiwi captain had maintained his reign in the longest format of cricket till the year 2021. Williamson is currently recovering from his injury. In fact, Williamson injured himself badly while fielding during IPL 2023, after which he had to undergo surgery. Joe Root's reign in Test cricket is over. Former New Zealand captain Kane Williamson has become the world's number one Test batsman in the latest ICC rankings. At the same time, Steve Smith, who played an excellent century in the second Test match of the Ashes series, has also made a long jump of four places.

Prime Ministers of two countries face to face on Bairstow controversy, Albanese's reply to Sunak

The statement of British Prime Minister Rishi Sunak came to the fore on Monday. Sunak's spokesperson had told the media that the UK PM found Bairstow's controversial dismissal unsportsmanlike. Jonny Bairstow's controversial dismissal in the Ashes caught the attention of fans around the world. This dispute has increased so much that now the Prime Ministers of two countries have come face to face on this matter. British Prime Minister Rishi Sunak and Australian Prime Minister Anthony Albanese have come face to face. Both are throwing bouncers at each other. During England's second innings in the second Test of the Ashes, Bairstow was stumped by Australian wicketkeeper Alex Carey when he went beyond the crease. Bairstow thought the ball was dead. Many former cricketers and fans were divided into two groups on this matter. However, despite allegations of poor sportsmanship, cheating and verbal abuse, Australia took a 2–0 lead in the Ashes series. What did Sunak say on the Bairstow controversy? British Prime Minister Rishi Sunak's statement came to the fore on Monday. Sunak's spokesperson had told the media that Bairstow's controversial dismissal to the British PM was not in keeping with the spirit of the game. The spokesman said- Sunak agreed with the captain of the England cricket team, Ben Stokes, who had said that he would not like to win a match in this manner like Australia. However, Sunak said that he had no intention of adopting 'bodyline tactics' to escalate diplomatic tensions after the England-Australia series in 1932–33. Sunak said he had no intention of lodging an official protest with Australian Prime Minister Albiniz. There is a good rivalry between the two leaders regarding the game. The spokesperson had said- Sunak does not see cricket as the main diplomatic issue. Regarding Stokes' 155-run innings, the PM said that this match gave an opportunity to see one of the best innings of Ben Stokes. The traffic signal." After this, the Victoria Police put a link to the traffic rules and asked people to tag Johnny Bairstow. What is the whole matter? Actually At one point during England's second innings, Bairstow was on 10 and Stokes was at the crease. Then Bairstow ducked on Cameron Green's bouncer and the ball went to wicketkeeper Alex Carey. Then Bairstow came out of the crease to talk to Stokes. On this, Carey threw the ball and hit the stumps. Bairstow was given out by the third umpire due to the ball not being dead. What happened in the second test? Australia won the second Test of the Ashes by 43 runs. Australia had scored 416 runs in the first innings. In response, England's first innings was reduced to 325 runs. Australia scored 279 runs in the second innings and had set a target of 371 runs in front of England. In response, England's second innings was reduced to 327 runs. Ben Duckett scored 83 runs and captain Ben Stokes scored 155 runs. By winning the first two Tests, the Australian team has gone ahead 2-0 in the series. Now questions are also being raised on the 'baseball' technique adopted by England in Test cricket.

Sarfaraz Khan got out on a duck in the semi-finals of Duleep Trophy, this unwanted record in first class cricket

Duleep Trophy 2023 Sarfaraz Khan Duck Out In a First Class Cricket Sarfaraz Khan was not included in the Test team against the West Indies, after which many veterans raised questions on his being ignored. There was a lot of ruckus when Sarfaraz was not selected in the Test team. In the semi-finals of the Duleep Trophy, he returned to the pavilion without opening an account. New Delhi, Sports Desk. Duleep Trophy 2023 Sarfaraz Khan Duck Out In a First Class Cricket Sarfaraz Khan was not included in the Test team against the

West Indies, after which many veterans raised questions on his being ignored. There was a lot of ruckus when Sarfaraz was not selected in the Test team. On this matter, Sarfaraz Khan himself also shared a story and gave a befitting reply to the BCCI in gestures. Meanwhile, in the first semi-final match of Duleep Trophy 2023, Sarfaraz Khan has got a lot of burden to return to the pavilion without opening the account. Duleep Trophy 2023: Sarfaraz Khan's account did not open in the semi-final match- Tell that the first semi-final of Duleep Trophy 2023 is being played today i.e. on 5th July between West Zone and Central Zone. In the match, Sarfaraz Khan could not open his account even in 12 balls and was dismissed by Shivam Mavi for a duck. Sarfaraz Khan has lost his wicket for a duck for the third time in first class cricket. In the year 2015, Sarfaraz Khan was dismissed for a duck in the match of Mumbai vs Tamil Nadu. After this, he was also dismissed for a duck in the match of Mumbai vs Delhi and in the year 2023, this shameful record was added to his name in the semi-finals of Duleep Trophy today. Poor start for West Zone Team Batting first, West Zone got off to a poor start. Team opener Prithvi Shaw lost his wicket after scoring 26 runs in 54 balls. At the same time, Priyank Panchal was also out LBW for 13 runs. Suryakumar Yadav's bat remained silent in the match. He got out for 7 runs. Het Patel could also score only 5 runs.

Cricketer Praveen Kumar's car collided with a canter, his son was also with him, narrowly survived the accident

A canter hit the car of international cricketer Praveen Kumar near the commissionerate residence in Meerut. Praveen Kumar narrowly escaped in the accident. It was told that he was going to his home in a car from Pandav Nagar. Praveen Kumar narrowly escaped in this. On receiving the information, CO Civil Line Arvind Chaurasia reached the spot along

with the police force. The accused canter driver was caught on the spot. Cricketer Praveen Kumar, a resident of Multan Nagar on Baghpat Road, was coming from Pandav Nagar in his defender vehicle at around 10 pm on Tuesday night. Along with him was his son. As soon as he reached near the commissioner's residence, a speeding canter coming from the front hit his car. In which the vehicle was damaged, while Praveen Kumar and his son survived safely. After the accident, a crowd of people gathered there, who nabbed the canter driver on the spot. On receiving the information, the Civil Line Police Station reached the spot. During this, CO Arvind Chaurasia also reached there. He inquired about the whole matter. The canter driver was taken into custody and sent to the police station. CO told that Praveen Kumar and his son are safe in the accident. The canter driver is being interrogated. - Praveen Kumar, former star bowler of India - Praveen Kumar made his debut for India in 2007. He played six Tests, 68 ODIs and 10 T20s for Team India. In 2008, Praveen played a key role in India's Commonwealth Bank Series victory in Australia. Has taken 27 wickets in Tests, 77 wickets in ODIs and eight wickets in T20s. Praveen played the last match for Team India in 2012 against South Africa. He has also played 119 IPL matches and taken 90 wickets.

Sonakshi-Ranveer's 'Lootera' completes ten years, producer Ekta Kapoor said – the film fulfilled all expectations

Producer Ekta Kapoor of 'Lootera' says the film has a special place in her heart. Sonakshi Sinha and Ranveer Singh starrer 'Lootera' has completed ten years of its release. This film was produced by Ekta Kapoor. On the occasion of the completion of a decade of the film, Ekta says that the film has proved to exceed expectations. Let us tell you that 'Lootera',

directed by Vikramaditya Motwani, was released on this day in 2013. The second half of the film is based on O Henry's 1907 short story 'The Last Leaf'. 'Lootera' lived up to the expectations - Talking about the film, Ekta Kapoor said, 'Ten years back, when I made 'Lootera', it was not seen as an entertainer. But, I had a vision. A vision that was enough to win the hearts of the audience. Today is the 10th anniversary of this film and I feel proud to say that 'Lootera' has lived up to all the expectations. Special film for Ekta - Ekta Kapoor further said, 'This is a classic film, which reminds us all that good films remain in the memories of the audience. There is a special place in my heart for this film. This film came as an opportunity for me in my life, for which I am extremely thankful. Please tell that in this film the time situation of the 1950s was shown. Sonakshi had changed nine sarees- Tell that Sonakshi Sinha's look in the film 'Lootera' was inspired from the 50s. The actress had changed nine sarees in the film's song 'Sanwar Loon'. The cost of each of her sari is said to be 30 to 35 thousand rupees. About three lakh rupees were spent on Sonakshi's total sarees.

Nikhil issued an apology after the release of Spy, told the reason for the poor performance of the film

Renowned Telugu actor Nikhil Siddharth was last seen in the film 'Karthikeya 2'. This movie proved to be a blockbuster at the box office. After the success of the film, the demand for Nikhil Siddharth increased a lot. Nikhil returned to the big screen with the thriller drama

Spy. The film received a mixed response from the audience. The film did not perform as per expectation. Now a week after the release, the actor has issued an apology to his fans. So let's know why the actor has done this. Nikhil released a statement about 'Spy' on his Twitter and explained that the film could not release all over India due to content delays. The actor has further thanked his fans and supporters for watching Spy in theaters and giving him a career-best opening. Apologizing to the fans, Nikhil wrote, 'I am sorry to inform you all that the content of the film The film could not be released all over India due to the delay, which led to the cancellation of 360 Telugu premiere shows overseas. I apologize to all Hindi, Kannada, Tamil and Malayalam viewers and promise that after 'Karthikeya 2' our next three upcoming films will be on time in theaters in all languages.

'Dunky' and 'Jawan' made records, Shahrukh's films earned 480 crores even before release!

The satellite, digital and music rights of Shah Rukh Khan's Jawan Aur Danki have been sold. This has turned out to be a great deal. Bollywood's King Shah Rukh Khan is everywhere these days. The actor recently returned from the US after shooting for his film Jawan. Last

day there was news that Shahrukh's nose got hurt while doing stunts, which has undergone surgery. However, when Shahrukh returned, these reports were dismissed outright. It is learned that the actor has not sustained any injury. Shahrukh's fans are eagerly waiting for his upcoming film Jawan Aur Danki. Through both the films, the actor is all set to create a buzz once again. It is reported that both the films Jawan and Danki have done crores of business even before their release. Deal of so many crores - It is reported that the satellite, digital and music rights of Shah Rukh Khan's film Jawan and Danki have been sold. This has turned out to be a great deal. Let us tell you that the rights of Jawan and Danki have been bought by Warid Players even before its release in theatres. It is being said that this deal has been done for about 400-500 crores. Please tell that Jawan is to be released on the big screen on 7th September. Its teaser will be released with the Hollywood action film Mission Impossible. Donkey's release date not revealed - On the other hand, no official information has been issued regarding the release date of Dankey. It has been revealed in some media reports that this film can be released in December 2023. While talking about Jawan, in this film directed by Atlee Kumar, Shah Rukh is going to be seen in an action avatar. The actor's bandaged look from the film was shared a while ago.

Pawan Kalyan divorced for the third time? Actor gave break to 10 years of marriage

A surprising news is coming out regarding the personal life of South actor Pawan Kalyan. According to reports, there has been a rift in the actor's third marriage as well. There is turmoil in the personal life of South Superstar Pawan Kalyan. The news is coming that now the third marriage of the actor is also on the verge of breaking. Please inform that Pawan Kalyan married Anna Lezhneva in the year 2013. But, now it is being said that distance has

come between these two as well and both have decided to end their married life. Broken relationship after 10 years!- Pawan Kalyan has a wonderful professional life. But, his personal life has gone through many ups and downs. Pawan's last two marriages were also unsuccessful and according to media reports, now his third marriage is also in trouble. Pawan Kalyan is about to end his 10 years old marriage and divorce Anna. Please tell that Pawan Kalyan's first marriage lasted for eleven years. Whereas the second marriage lasted only three years. Ram Charan's uncle is Pawan- Pawan Kalyan is one of the popular star of South Film Industry. He is Ram Charan's uncle i.e. younger brother of South's megastar Chiranjeevi. For the fans of Pawan, who ruled the hearts of people with his strong characters in films, the news of his third divorce is surprising. However, till now there is no response from him on this matter. Anna living abroad with children? - Pawan's third wife Anna Lezhneva was a Russian model and he married her in 2013 after a second divorce. It is being claimed in some media reports that Pawan Kalyan's third wife Anna is living in Singapore or Dubai apart from the actor with the children these days. However, neither Pawan nor Anna has broken the silence regarding the news of divorce. Meanwhile, news is also coming that Pawan Kalyan has made his debut on Instagram.